

ग्रामीण महिलाओं में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने के लिए सरकारी नीतियाँ और भविष्य की रणनीतियाँ



डॉ० अनुपम रानी विशनोई

प्रवक्ता, जीव विज्ञान
आर० एस० एम० इंटर कॉलेज,
धामपुर -246761 (बजनौर)

*अनुरूपी लेखक

डॉ० अनुपम रानी विशनोई*

ग्रामीण भारत में महिलाओं के स्वास्थ्य को सुधारने के लिए सरकार द्वारा कई योजनाएँ चलाई जा रही हैं, जिनका उद्देश्य महिलाओं को बेहतर चिकित्सा सुविधाएँ, पोषण और वित्तीय सहायता प्रदान करना है। हालांकि, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, सामाजिक एवं आर्थिक असमानता, और जागरूकता की कमी जैसी चुनौतियाँ अभी भी बनी हुई हैं। इस लेख में ग्रामीण महिलाओं के स्वास्थ्य पर सरकारी नीतियों और कार्यक्रमों के प्रभाव का गहन विश्लेषण किया गया है। साथ ही, प्रमुख योजनाएँ जैसे जननी सुरक्षा योजना (JSY), प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (PMMVY) और आयुष्मान भारत योजना (PMJAY) की भूमिका को भी विस्तार से बताया गया है। डिजिटल हेल्थ सेवाओं के बढ़ते उपयोग के माध्यम से महिलाओं तक स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँचाने की संभावनाएँ भी इस लेख में शामिल की गई हैं। यह अध्ययन दर्शाता है कि इन योजनाओं को और प्रभावी बनाने के लिए जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन और जागरूकता में वृद्धि आवश्यक है।

मुख्य बिंदु

स्वास्थ्य जागरूकता, नीतियाँ और योजनाएँ, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, पोषण की कमी, आर्थिक असमानता, जननी सुरक्षा योजना (JSY), प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (PMMVY) और आयुष्मान भारत योजना (PMJAY), डिजिटल हेल्थ सेवाएँ, स्थानीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का सशक्तिकरण और सामुदायिक भागीदारी।

परिचय

स्वास्थ्य मानव जीवन का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है, लेकिन भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को स्वास्थ्य सेवाओं की समुचित उपलब्धता और जागरूकता की कमी का सामना करना पड़ता है। सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक कारणों से यह समस्या और अधिक जटिल हो जाती है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21

के अनुसार, हर नागरिक को स्वास्थ्य सेवाओं का अधिकार प्राप्त है, लेकिन इस अधिकार को वास्तविकता में बदलने के लिए प्रभावी योजनाओं और रणनीतियों की आवश्यकता होती है। इस लेख में ग्रामीण महिलाओं की स्वास्थ्य स्थिति, सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं और भविष्य की रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा की गई है।

ग्रामीण महिलाओं की स्वास्थ्य स्थिति और प्रमुख चुनौतियाँ

भारत में ग्रामीण महिलाओं की स्वास्थ्य स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। इसकी प्रमुख चुनौतियाँ निम्नलिखित हैं:

1. स्वास्थ्य सेवाओं की सीमित उपलब्धता

ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (PHC) और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (CHC) की संख्या सीमित है। दूरदराज के गाँवों में

अस्पतालों तक पहुँच कठिन होती है, जिससे महिलाओं को समय पर स्वास्थ्य सेवाएँ नहीं मिल पातीं।

2. शिक्षा और जागरूकता की कमी

ग्रामीण महिलाओं में स्वास्थ्य, पोषण और परिवार नियोजन के प्रति जागरूकता की कमी देखी जाती है। पारंपरिक विश्वास और अज्ञानता के कारण वे आवश्यक चिकित्सा सेवाओं का उपयोग नहीं कर पातीं।

3. सामाजिक और सांस्कृतिक बाधाएँ

कई सामाजिक व सांस्कृतिक मान्यताओं के कारण महिलाएँ अस्पतालों में इलाज करवाने से हिचकिचाती हैं। पुरुष-प्रधान समाज में महिलाओं के स्वास्थ्य को प्राथमिकता नहीं दी जाती।

4. आर्थिक समस्याएँ

गरीबी और आर्थिक असमानता के कारण ग्रामीण महिलाओं को

संतुलित पोषण नहीं मिल पाता। साथ ही, उच्च चिकित्सा खर्च भी स्वास्थ्य सेवाओं को कम सुलभ बनाता है।

5. पोषण और स्वच्छता की कमी

स्वच्छ जल की अनुपलब्धता, कुपोषण और उचित स्वच्छता

सुविधाओं के अभाव में महिलाओं की सेहत प्रभावित होती है।

ग्रामीण महिलाओं की स्वास्थ्य स्थिति पर वर्तमान डेटा

स्वास्थ्य संकेतक	ग्रामीण महिलाओं की स्थिति (2023-24)
मातृ मृत्यु दर (MMR)	97 प्रति 100,000 जीवित जन्म (स्रोत: SRS 2023)
नवजात मृत्यु दर (NMR)	24 प्रति 1,000 जीवित जन्म (स्रोत: NFHS-5)
संस्थागत प्रसव दर	89.4% (स्रोत: NFHS-5)
एनीमिया की दर	57% महिलाएँ (15-49 वर्ष) (स्रोत: NFHS-5)
पूर्ण टीकाकरण दर	76% (स्रोत: NHM 2024)

ग्रामीण महिलाओं के लिए सरकारी नीतियाँ और योजनाएँ

भारत सरकार ने महिलाओं के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए कई योजनाएँ लागू की हैं। कुछ प्रमुख योजनाएँ निम्नलिखित हैं:

1. जननी सुरक्षा योजना (JSY)

- संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना।
- मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करना।

2. प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (PMMVY)

- गर्भवती और धात्री महिलाओं को 5000 रुपये की आर्थिक सहायता।
- कुपोषण को कम करने और प्रसव पूर्व देखभाल को बढ़ावा देना।

3. राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM)

- ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता बढ़ाने की पहल।
- आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करना।

4. आयुष्मान भारत योजना (PMJAY)

- प्रत्येक गरीब परिवार को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा।
- सरकारी एवं निजी अस्पतालों में निःशुल्क उपचार की सुविधा।

5. मिशन इंद्रधनुष

- नवजात शिशुओं और माताओं के लिए पूर्ण टीकाकरण सुनिश्चित करना।
- पोलियो, डिप्थीरिया, टेटनस जैसी बीमारियों से बचाव।

6. सर्व जन स्वच्छता मिशन

- स्वच्छता और शौचालय निर्माण को प्रोत्साहन।
- ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता को बढ़ावा देना।

भविष्य की रणनीतियाँ

हालांकि सरकार द्वारा कई योजनाएँ लागू की गई हैं, लेकिन अब भी कई सुधारों की आवश्यकता है। स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ाने के लिए निम्नलिखित रणनीतियाँ अपनाई जानी चाहिए:

1. स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रमों का विस्तार

- महिलाओं को स्वास्थ्य, पोषण और परिवार नियोजन के प्रति जागरूक करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाना।
- स्कूलों और समुदायिक केंद्रों में स्वास्थ्य जागरूकता सत्र आयोजित करना।

2. डिजिटल हेल्थ सेवाओं का उपयोग

- टेलीमेडिसिन और मोबाइल हेल्थ ऐप के माध्यम से दूरस्थ स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना।
- ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल हेल्थ सेंटर खोलना।

3. स्थानीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को सशक्त बनाना

- आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को उन्नत प्रशिक्षण प्रदान करना।
- उन्हें वित्तीय सहायता और मानदेय में वृद्धि करना।

4. आर्थिक स्वतंत्रता को बढ़ावा

- महिलाओं के लिए स्वरोजगार योजनाएँ लागू करना।
- स्वयं सहायता समूहों (SHGs) को स्वास्थ्य प्रशिक्षण देना।

5. स्वच्छता और स्वच्छ जल उपलब्धता

- जल शुद्धिकरण तकनीकों को बढ़ावा देना।
- ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करना।

6. सामुदायिक सहयोग और जनभागीदारी

- ग्राम पंचायतों और गैर-सरकारी संगठनों के सहयोग से स्वास्थ्य जागरूकता अभियान चलाना।
- महिलाओं के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य समूह बनाना।

7. नवाचार और अनुसंधान

- ग्रामीण महिलाओं की स्वास्थ्य समस्याओं पर शोध को बढ़ावा देना।

- नए स्वास्थ्य समाधान और तकनीकों का विकास करना।

निष्कर्ष

ग्रामीण महिलाओं में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने के लिए सरकार की योजनाएँ महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। हालाँकि, योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू करने और नई रणनीतियों को अपनाने की आवश्यकता है। डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं, समुदाय आधारित कार्यक्रमों और महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता देकर इस दिशा में प्रभावी सुधार किए जा सकते हैं।

संदर्भ

1. भारत सरकार, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की रिपोर्ट।
2. राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM) की वार्षिक रिपोर्ट।
3. राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS-5) रिपोर्ट।
4. सैपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (SRS) 2023 रिपोर्ट।
5. विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की भारत में महिला स्वास्थ्य पर रिपोर्ट।
6. विभिन्न सरकारी योजनाओं से संबंधित सरकारी पोर्टल और नीति दस्तावेज।